विद्या- भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग-तृतीय, विषय -हिंदी,

दिनांक-11-01-20222 एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

क्रांतिकारी महिलाएं पाठ-20

सुप्रभात बच्चों,

1. क्रांतिकारी महिलाएं विषय पर अनुच्छेद-

भारत की सचेत नारी जीवन के हर क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने लगी। राष्ट्रीय आंदोलन में उन्होंने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। ब्रिटिश राज दव्ारा जब झांसी का क्षेत्र ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया तो वहां की रानी लक्ष्मी बाई ने अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के संघर्ष में मोर्चा खोल दिया। वहीं लखनऊ में बेगम हजरत महल भी अंग्रेजों से तब तक संघर्ष करती रहीं, जब तक उनकी पूरी शक्ति चूक नहीं गई। उन्होंने अन्य विद्रोहियों के साथ मिलकर ब्रिटिश सरकार के खिलाफ संघर्ष किया। 1885 में कांग्रेस की स्थापना के समय से ही इसमें कई महिला नेत्री सक्रिय रहीं। 1890 में कांग्रेस का अधिवेशन कलकत्ता में हुआ इसे भारत की पहली महिला स्नामक कांदबिनी गांगुली ने संबोधित किया। (वास्तविकता में सनवित रुक्ष्म्ग्।डऋछ।डम्दव्रुरुक्ष्म्ग्।डऋछ।डम्दव्रुरू 1882 कांदबिनी गांगुली के साथ चन्द्रमुखी बासु ने भी स्नातक की परीक्षा पास की थी।) इसमें स्वर्ण कुमारी घोषाल नामक महिला प्रतिनिधि ने भी भाग लिया था। एनी बेसेंट एवं सरोजिनी नायडू जैसी महिलाओं ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का नेतृत्व भी किया। एनी बेसेंट के नेतृत्व में भारत में होमरूल आंदोलन भी चलाया गया। इस आंदोलन की मुख्य मांग थी-स्वशासन एनी बेसेंट सरोजनी नायडू एवं श्रीमती हीराबाई टाटा ने 1919 में संयुक्त प्रवर समिति के समक्ष भारतीय महिलाओं के लिए मताधिकार की मांग की, जिसके परिणामस्वरूप 1919 में उन्हें मताधिकार प्राप्त हुआ।

दिए, गए अनुच्छेद को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें तथा याद करें।